कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY-007

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.जे.वाई-007 : संहिता ज्योतिष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। 3×20=60

1. त्रिस्कन्ध जयोतिष में संहिता ज्योतिष का क्या स्थान है ?
2. दैवज्ञ से आप क्या समझते हैं ? दैवज्ञ लक्षण का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. किन्हीं **दो** संहिताओं एवं संहिताकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. बृहस्पति ग्रह का परिचय दीजिए तथा बृहस्पतिचार का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. आदित्यचार से आप क्या समझते हैं ? इसके सैद्धान्तिक स्वरूप और महत्व का वर्णन कीजिए।

6. सप्तर्षिचार के सैद्धान्तिक स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

7. बृहत्संहिता की विषय-वस्तु का सारांश रूप में वर्णन कीजिए।

8. चन्द्रचार के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

9. शनिचार क्या है ? ज्योतिष में इसकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

10. बुधचार में वर्णित विषय-वस्तु का उल्लेख कीजिए।

11. दकार्गल से आप क्या समझते हैं ? दकार्गल की विषय-वस्तु का सारांश लिखिए।

12. संहिता ज्योतिष में वृस्तिविचार के सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

13. ग्रहभक्ति किसे कहते हैं ? पठित अंश के आधार पर ग्रहभक्ति का वर्णन कीजिए।

14. वृक्षायुर्वेद क्या है ? संक्षप में इसकी विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।